सीरी ने बनाया रेडियोथैरेपी में जरूरी मैग्नेट्रॉन, अब तक विदेश से आयात होता था, अब देश में ही उससे सस्ती लागत पर बनेगा

भास्कर संवाददाता | झुंझुनूं/पिलानी

सीएसआईआर-सीरी पिलानी ने रेडियोथैरेपी मशीनों में लगने वाले एक बेहद जरुरी व उपयोगी पार्ट मैग्नेट्रॉन को भारत में ही विकसित करने में सफलता पाई है।

सीरी की यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, क्योंकि भारत यह पार्ट अब तक लंदन से आयात ही करता आया है। सीरी ने इसके लिए जरुरी एक्सरे की मात्रा भी प्राप्त कर ली है। सीरी के हिंदी अधिकारी रमेश बौरा ने बताया कि बुधवार को सीरी की ओर से इस टैक्नोलॉजी को पैनेसिया मेडिकल टेक्नोसलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरु को ऑनलाइन हस्तांतरित किया गया। अब पैनेसिया इसका उत्पादन करेगा। एरिया कोऑर्डिनेटर डॉ आरके शर्मा, मैग्नेट्रॉन के परियोजना प्रमुख डॉ शिवेन्द्र मौर्य ने इस तकनीकी के बारे में बताया। इस मौके एमएस टीम के डॉ. शेखर सी मांडे, सीरी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया, बीएआरसी के डॉ अजीत कुमार मोहंती, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. श्रीकृष्णन गुप्ता, डॉ. डीके असवाल, डॉ पी के खन्ना और डॉ. जेएल रहेजा मौजूद थे।

तस्करी को रोकने वाली कार्गो मशीन में भी आता है काम

मैग्नेट्रान एक छोटा सा पार्ट होता है। इसका उपयोग ना केवल रेडियोथैरेपी मशीनों में होता है बल्कि सीमा पर घुसपैठ रोकने और सामग्री की तस्करी को रोकने में कार्गो जांच मशीन में भी यह काम आता है। रेडियोथैरेपी मशीनों में यह इलेक्ट्रॉन को बढ़ाने का काम करता है और एक्सरे के रुप में निकालता है। यह एक्स रे मरीज कैंसर टिश्यू को नष्ट करती हैं। मैग्नेट्रॉन की मदद से यह उसके आसपास के हिस्से को ज्यादा प्रभावित नहीं करती। पैनेसिया कंपनी के प्रतिनिधि डॉ जी वी सुब्रमण्यम और महानिदेशक डॉ. शेखर सी मांडे ने सभी को बधाई दी।

आत्मनिर्भर भारत की ओर सीरी का एक कदम

सीरी की यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम है। अब तक यह उपकरण लंदन से आयात होता था। अब यह भारत में ही बनेगा और इस पर लागत भी उससे कम आएगी। ये बड़ी उपलब्धि है।

– पीसी पंचारिया, निदेशक, सीरी